एम.ई.सी

एम.ए.
(अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य (2021-22)
प्रथम वर्ष
(जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्र हेतु)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली -110 068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य (2021-22)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30% है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40% अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य(टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

जमा कराना

पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

जुलाई 2021 चक्र के विद्यार्थियों के लिएः	**31.03.2022**
जनवरी 2022 चक्र के विद्यार्थियों के लिएः	**30.10 .2022**

एम.ई.सी.–101 : व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.सी–101
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी-101/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2021-22
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है और प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 700 शब्द है। भाग 'ख' में प्रत्येक प्रश्न 12-12 अंक का है और इन प्रश्नों में से प्रत्येक के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 400 शब्द है।

भाग 'क'

इस खंड से सभी प्रश्नों के उत्तर दें। **2×20 = 40**

1. (क) ''वस्तु के प्रकार की दृष्टि से चाहे वस्तु सामान्य है अथवा घटिया प्रकृति की है, क्षतिपूर्ति अथवा अक्षतिपूर्ति माँग वक्र के मध्य संबंध भिन्न प्रकार का होता है'' – इस कथन का रेखाचित्र की मदद से औचित्य प्रदान करें। **(8)**

(ख) दो वस्तु A तथा B के संबंध में किसी उपभोक्ता की प्राथमिकताएँ निम्नलिखित उपयोगिता फलन द्वारा प्रदत्त हैं :

$$U(A, B) = A^{1/2}B^{1/3}$$

मान लीजिये कि वस्तु A की कीमत p_A तथा वस्तु B की कीमत p_B तथा उपभोक्ता की आय I द्वारा दी गई है।

(i) उपरोक्त का अप्रत्यक्ष उपयोगिता फलन ज्ञात कीजिए **(6)**

(ii) उपयोगिता तथा व्यय अनुकूलतम अभ्यास के संदर्भ में दोहरी समस्या का क्या अर्थ है? **(6)**

2. (क) असममित सूचना की उपस्थिति में बीमा बाज़ार के प्रतिमान (Modelling) करते समय समेकित (pooling) संतुलन के स्थान पर एक पृथक् संतुलन को प्रायः पसंद किया जाता है। इस कथन का औचित्यीकरण प्रदान करें। किन परिस्थितियों में एक पृथक् संतुलन अस्तित्व में नहीं भी रह सकता है? **(6)**

(ख) किसी व्यक्ति के वान न्यूमेन-मॉरगेंस्टन उपयोगिता फलन इस प्रकार दिया है: $U(W) = ln\, W$ जहाँ W मुद्रा राशि को व्यक्त करता है तथा ln प्राकृतिक लाग है। रेखाचित्र की सहायता से इस व्यक्ति के जोखिम के प्रति दृष्टिकोण पर टिप्पणी करें। **(6)**

(ग) अब, मान लीजिए कि यह व्यक्ति सिक्के उछालने का खेल खेलता है जिसमें वह दो रुपये जीतता है यदि हैड आता है और कुछ भी नहीं जीतता यदि टेल निकलता है। उपरोक्त दी हुई सूचना के आधार पर ज्ञात करें।

(i) खेल का प्रत्याशित मूल्य। (4)

(ii) जोखिम की वह प्रीमियम राशि जिसे वह व्यक्ति खेल से जुड़े जोखिम से बचने के लिए भुगतान करने के लिए तैयार होगा। (4)

भाग 'ख'

इस भाग से सभी प्रश्नों के उत्तर दें। **5×12 = 60**

3. (क) अल्पाधिकार के कूर्णो मॉडल तथा स्टैकलबर्ग मॉडल के बीच अंतर बताइये। स्टैकलबर्ग मान्यताओं के तहत कूर्णो समाधान प्राप्त किया जा सकता है, यदि फर्म अनुयायी के रूप में कार्य करने की इच्छुक है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? व्याख्या करें।

(ख) एक एकाधिकारी फर्म प्लांट 1 तथा प्लांट 2 में कार्य कर रही है। दोनों प्लांट की सीमांत लागत निम्नलिखित है

$$MC_1 = 20 + 2q_1 \quad \text{तथा} \quad MC_2 = 10 + 5q_2$$

जहाँ कि q_1 तथा q_2 क्रमशः प्लांट 1 तथा प्लांट 2 द्वारा उत्पादित उत्पादन की मात्राएं हैं। यदि इस उत्पाद की कीमत $20 - 3(q_1 + q_2)$ द्वारा दी गई है, तो एक फर्म को प्रत्येक प्लांट में कितना उत्पादन करना चाहिये तथा किस कीमत पर उत्पाद को बेचने की योजना बनानी चाहिये। (6)

4. (क) विचार करें कि किसी वस्तु के पूरे बाज़ार के लिए दो फर्में 1 तथा 2 कार्य कर रही हैं। इन फर्मों की स्थिर औसत लागत प्रति इकाई 20 रुपये है। फर्म अपने उत्पाद के विक्रय हेतु चाहे तो ऊंची कीमत (रु.100) या निचली कीमत (रु.50) का विकल्प रख सकती है। जब दोनों ही फर्में ऊंची कीमत तय करती है, तो कुल मांग 1000 इकाई है जिन्हें कि बराबर दो भागों में बांटा जा सकता है। जब दोनों फर्में कम कीमत रखती हैं तो कुल माँग 1800 है जिसे पुनः दो बराबर भागों में बांट दिया जाता है। जब एक फर्म निचली कीमत रखती है और दूसरी फर्म ऊंची कीमत रखती है, और निचली कीमत वाली फर्म 1500 इकाई बेचती है तथा ऊंची कीमत वाली फर्म 200 इकाई बेच पाती है, मरं गैर-सहयोगी द्यूत के रूप में दोनों फर्मों के कीमत निर्णयन की व्याख्या करें तथा निम्न का उत्तर दें: (6)

i) प्रति प्राप्ति (pay-off) आव्यूह की रचना करें जहां आव्यूह के प्रत्येक सैल के तत्व दोनों फर्मों के लाभ हैं।

ii) युक्तियों (strategies) के संतुलन समुच्चय व्युत्पन्न करें।

iii) व्याख्या करें क्या यह उदाहरण कैदियों के असमंजस (Dilemma) द्यूत का प्रतिनिधित्व करता है?

(ख) बेसियन-नैश संतुलन क्या है? यह पूर्ण बेसियन (Perfect Bayesian) संतुलन से किस प्रकार भिन्न है? (6)

5. काल्डर का क्षतिपूर्ति सिद्धांत क्या है? यह सिद्धांत हिक्स के क्षतिपूर्ति सिद्धांत से किस प्रकार भिन्न है? **(12)**

6. क) ''समरूप (Homothetic) उत्पादन फलन विशिष्ट मामले के रूप में सजातीय उत्पादन फलन को सम्मिलित करता है।'' इस कथन का औचित्य प्रदान करें। **(6)**

ख) इस उत्पादन फलन पर विचार करें : $Q = f(L)$, जहाँ Q कुल उत्पादन को L तथा P उत्पत्ति के साधन के रूप में अभिव्यक्त होता है। मान लीजिए w प्रति इकाई श्रम की मज़दूरी तथा P उत्पादन की प्रति इकाई कीमत है। एनवल्प सिद्धांत का प्रयोग करते हुए पूर्ति फलन तथा साधन माँग फलन का निर्धारण कीजिए। **(6)**

7. क) क्षेम अर्थशास्त्र का प्रथम मौलिक प्रमेय किन मान्यताओं पर आधारित है? **(4)**

ख) दो व्यक्ति (A तथा B) और दो वस्तु (X और Y) वाले अर्थतंत्र पर विचार करें। व्यक्ति A के पास X की एक इकाई प्रारंभिक भंडार में है किंतु Y उसके पास बिल्कुल नहीं है। दूसरी ओर B के पास Y की एक इकाई है– X बिल्कुल नहीं है। इन दोनों के उपयोगिता फलन इस प्रकार हैं :

$$U_A = (X_A)^{\alpha}(Y_A)^{1-\alpha} \quad \text{तथा} \quad U_B = (X_B)^{\beta}(Y_B)^{1-\beta}$$

जहाँ X_i, Y_i के लिए $i = \{A, B\}$ I वें व्यक्ति के X तथा Y के उपभोग को दर्शा रहे हैं, और α, β इस प्रकार स्थिर हैं कि $0 < \alpha, \beta < 1$। वालरसवादी संतुलन कीमत अनुपात का आंकलन करें। **(8)**

एमईसी–002: समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–002
सत्रीय कार्य कोड :एमईसी–002/2021–22
अधिकतम अंक: 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग–क में दिए गए प्रत्येक प्रश्न के 20 अंकों के हैं (लगभग 500 शब्दों के उत्तर दें)। भाग–ख में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों के हैं (लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें)। आंकिक प्रश्नों की स्थिति में शब्द सीमा लागू नहीं है।

भाग क

1. सोलो मॉडल में सुस्थिर अवस्था से आप क्या समझते हैं? स्वर्णिम नियम, सुस्थिर अवस्था से कैसे भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।
2. स्थायी आय परिकल्पना, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक उपभोग व्यवहार के अंतर का सामंजस्य कैसे स्थापित करती है? स्पष्ट कीजिए।

भाग ख

3. नीति निर्माताओं को स्वविवेकी (discretionary) नीतियों का अनुसरण करने के बजाय नियमों (rules) का अनुपालन करना चाहिए। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।
4. वास्तविक व्यवसाय चक्र सिद्धांत की मुख्य विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। यह व्यवसाय चक्र के अन्य सिद्धांतों से किन दृष्टिकोणों से भिन्न है?
5. फर्में अपने कामगारों को संतुलन मजदूरी दर से उच्च मजदूरी क्यों दे सकती हैं। स्पष्ट कीजिए।
6. ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे कौन से हैं जिन पर ल्यूकस, केन्सवादी समष्टि अर्थशास्त्र की आलोचना करते हैं? नव–केन्सवादी अर्थशास्त्रियों ने इस आलोचना को किस हद तक स्वीकारा है?
7. निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखिएः
   क) तार्किक प्रत्याशा और अनुकूली प्रत्याशा
   ख) बेरोजगारी की गैर–त्वरित स्फीति दर

एमइसी–003 / एमइसी–103 : परिमाणात्मक विधियाँ
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमइसी -003 / एमइसी–103
सत्रीय कार्य कोड : एमइसी -003 / 103 / टीएमए / 2021-22
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग क का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। भाग ख का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग क

1. हम अर्थशास्त्र में अवकल समीकरणों का प्रयोग कैसे करते हैं? अवकल समीकरणों के प्रयोग से किस प्रकार की स्थितियों का उपयोगी रूप से अनुमान लगाया जा सकता है? यदि आपका उद्देश्य उदाहरण की सहायता से संतुलन की स्थिरता की जाँच करना है तो दर्शाइए कि किस प्रकार, द्वितीय–क्रम(second-order) अवकल समीकरण आपके उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

2. ऐसी समस्याओं के उदाहरण दीजिए जहाँ आप पाइसों (Poisson) बंटन का प्रयोग कर सकते हैं। क्या इसका प्रायिकता घनत्व फलन हैं? क्यों अथवा क्यों नहीं? अपने उत्तर की चर्चा, पाइसों बंटन के माध्य और प्रसरण को ध्यान में रख कर कीजिए।

भाग ख

3. एक–पुच्छ और द्वि–पुच्छ परीक्षणों में से किसी एक का चयन करने के प्रासंगिक विचारणीय बिंदुओं को स्पष्ट कीजिए। आप उपर्युक्त परीक्षणों के लिए सार्थकता स्तर का निर्धारण कैसे करेंगें?

4. रैखिक प्रोग्रामण समस्या इस प्रकार हैः
   न्यून, $z = 30\,x_1 + 50x_2$,
   तथा शर्ते हैः
   $x_1 + x_2 \geq 9$
   $x_1 + 2x_2 \geq 12$
   $x_1 \geq 0, x_2 \geq 0$
   इसके इष्टतम समाधान का पता लगाइए।

5. आप आव्यूह की रैखिक निर्भरता का निर्धारण कैसे करेंगे? आव्यूह की कोटि को इसकी रैखिक स्वतंत्रता की दृष्टि से परिभाषित कीजिए।

6. 20 भारतीय प्रौढ़ पुरूषों के समूहों के लिए नासिका लंबाई एवं ऊँचाई (कद) के बीच का सहसंबंध गुणांक 0.203 पाया गया। परीक्षण कीजिए कि क्या समष्टि की विशेषताओं के बीच कोई सहसंबंध है या नही।

7. निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखिएः
   क) आइगन (Eigen) सदिश एवं आइगन मूल्य
   ख) टेयलर–विस्तार
   ग) मिश्रित कार्यनीति
   घ) कुँह–टकर शर्ते

एमईसी–004 : वृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–004
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–004/सत्रीय कार्य/2021–22
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है और भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का है।

भाग क

1- आर्थिक वृद्धि के मुख्य स्त्रोतों की चर्चा कीजिए। वृद्धि के प्रक्रिया से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाली मुख्य बुरे प्रभाव की चर्चा कीजिए।

2- तकनीकी प्रगति से आप क्या समझते हैं? तकनीकी प्रगति तथा कुल कारक उत्पादिता के बीच क्या सबंध है? हिक्स हैरड तथा सोलो द्वारा प्रतिवादित निष्पक्ष प्रगति के विभिन्न संकल्पनाओं की चर्चा कीजिए।

भाग ख

3- नवक्लासिक सदृश मे मानव पूँजी को शामिल करने की मैंकिव–रोमर–वाइल के द्वारा किय विस्तार की व्याख्या कीजिए।

4- वास्तविक व्यापार चक्र सदृश के मुख्य विशेषतायें क्या हैं? एक वास्तविक व्यापार चक्र के मूल ढ़ाँचे की व्याख्या कीजिए।

5- ऐडम स्मिथ के विकास संबंधित सिद्धांत की रिकार्डो के सिद्धांत से तुलना कीजिए तथा इनमें अंतर बताईये।

6- मइग्रेशन संबद्धित हैरिस–टोडारो सदृश की चर्चा कीजिए। इस सदृश का क्या प्रभाव रहा है? विकासशील देशों के लिये इसका तात्पर्य क्या है?

7- साख–लाभ विश्लेषण समझाइये। किसी साख–लाभ विश्लेषण में लिये जाने वाले मुख्य पदाक्षेप की व्याख्या कीजिए।

(यह सत्रीय कार्य उन छात्रों के लिए है जिन्होंने जनवरी 2021 या इससे पूर्व किसी अन्य सत्र में प्रवेश लिया है)

एम.ई.सी.–105 : भारतीय आर्थिक नीति
सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–105
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-105/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2021-22
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

1. ''विकास रणनीति में परिवर्तन के साथ ही भारतीय आर्थिक वातावरण में नाटकीय परिवर्तन हुए हैं''– इस कथन में आलोक में 1991 से शुरू किये विविध आर्थिक सुधारों का मूल्यांकन कीजिये।

2. भारत में रोज़गार की गुणवत्ता में आयी गिरावट के विविध आयामों को बताइये। साथ ही, कार्य शक्ति में महिला भागीदारी दर में गिरावट आने के नीतिगत निहितार्थों का परीक्षण करें।

खंड – ख

3. भारतीय कृषि द्वारा सामना की जा रही प्रमुख विकट समस्याओं की व्याख्या करें। इन समस्याओं के समाधान हेतु आप क्या-क्या सुझाव देना चाहेंगे?

4. आय की असमानता से आप क्या समझते हो? किसी अर्थव्यवस्था में आय की असमानताओं को किस प्रकार मापा जाता है? भारतीय अर्थव्यवस्था में वृहद् गरीबी तथा असमानता के नीतिगत निहितार्थों का परीक्षण करें।

5. पूंजी बाज़ार क्या है? भारत में मुद्रा बाज़ार के सुधारों का उद्भव बताइये। समता (equity) बाज़ार एवं विदेशी मुद्रा बाज़ार की संवृद्धि पर पूंजी बाज़ार में आए सुधारारें का प्रभाव बताइये।

6. वित्तीय असंतुलन से आप क्या समझते हो? भारत सरकार द्वारा वित्तीय असंतुलन दूर करने में क्या-क्या प्रयास किये गये हैं?

7. 'त्वरित औद्योगिकीकरण तथा औद्योगिक संरचना का विविधीकरण औद्योगिक नीति के प्रमुख लक्ष्य रहे हैं'– व्याख्या करें।

(यह सत्रीय कार्य उन छात्रों के लिए है जिन्होंने जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश लिया है)

एम.ई.सी.–205 : भारतीय आर्थिक नीति

सत्रीय कार्य

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.-205
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी-205/एएसएसटी/2021-22
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

1. ''भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास के संरचनात्मक परिवर्तन का प्रतिरूप (Pattern) पश्चिमी तथा दक्षिण-पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं के विकास प्रतिरूप से विचलित (deviated) हुआ है'', इस कथन का परीक्षण करें। इसके साथ ही, 2014-15 से भारत सरकार द्वारा हाल ही में आर्थिक सुधारों संबंधित उठाए गए नीतिगत उपायों का मूल्यांकन करें।

2. असमानता से आप क्या समझते हैं? किसी अर्थव्यवस्था में आय की असमानताओं को आप कैसे मापते हैं? भारतीय अर्थव्यवस्था में वृहद् गरीबी तथा निर्धनता के निहितार्थों का परीक्षण करें।

खंड – ख

3. ''जनांकिकीय लाभांश एक बारगी का अवसर है और इसकी अवधि 25 वर्ष तथा प्रत्याशित है'', इस कथन के आलोक में जनांकिकीय लाभांश प्राप्त करने के मार्ग में आने वाली चुनौतियों की व्याख्या करें।

4. 'विनिवेश' (disinvestment) से आप क्या समझते हैं? किसी सार्वजनिक उपक्रम के स्वामित्व का विविधीकरण क्यों किया जाना चाहिए?

5. भारत में मौद्रिक नीति का विकास किस प्रकार हुआ है? भारत की मौद्रिक नीति के ढांचे का लेखा-जोखा दीजिये।

6. ''कृषकों की आय बढ़ाने के लिए 'फसल विविधीकरण' अहं (महत्त्वपूर्ण) है''– टिप्पणी करें। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा भारत में कृषि विविधीकरण के प्रोत्साहन हेतु निर्मित कार्यनीति का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

7. सीमांत, लघु, मध्यम उपक्रमों (MSME) के समक्ष प्रमुख मुद्दों एवं चुनौतियों की चर्चा करें। इस संबंध में एमएसएमई क्षेत्र को उपयुक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में भारत सरकार द्वारा उठाए गए नीतिगत उपायों की चर्चा कीजिए।